सुशीलकुमार शिंदे
SUSHILKUMAR SHINDE
गृह मंत्री, भारत
HOME MINISTER, INDIA

प्रिय देशवासियो,

हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं !

भारत की सभ्यता और भाषायी संस्कृति की जड़ें गहरी हैं और ये विविध संस्कृतियों के सम्मिश्रण से गुजरकर सदियों से विकसित हुई हैं। भाषायी विविधता एवं बहुआयामी संस्कृति के बावजूद राजभाषा हिंदी ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की धारणा को पुष्ट किया है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावी माध्यम है।

विश्व के सभी प्रमुख विकसित एवं विकासशील देश अपनी-अपनी भाषाओं में ही अपना सरकारी कामकाज करके उन्नत हुए हैं। हिंदी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। यह देश के अधिकांश लोगों द्वारा पारस्परिक व्यवहार में प्रयुक्त की जाती है। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए भारतीय संविधान में इसे संघ सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया गया है। देश और समाज के व्यापक हित में राजभाषा हिंदी के प्रति जनता और सरकारी तंत्र दोनों को अधिक से अधिक संवेदनशील और सक्रिय बनाए जाने की आवश्यकता है।

हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिंदी में टिप्पण तथा पत्राचार को पर्याप्त रूप से प्रोत्साहित किया जाए। वास्तविकता में हिंदी में काम करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि भाषा को सरल एवं सहज रूप में लिखा जाए ताकि हिंदी जानने वाले तथा हिंदी न जानने वाले कर्मचारियों द्वारा यह आसानी से समझी जा सके तथा अपनाई जा सके।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विशेषज्ञों की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है ताकि विभिन्न विभागों में कर्मचारियों द्वारा सुलभ संदर्भ के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली प्रशासनिक शब्दावली को अभिव्यक्ति के सरल रूपों का प्रयोग करते हुए उन्नत किया जा सके। इस समिति का कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्राह्य रूप में भाषा की सुविज्ञता के उद्देश्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होगी।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। राजभाषा विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से अब कंप्यूटरों पर हिंदी में कार्य करना अधिक सुविधाजनक एवं सरल हो गया है और इसके लिए समय-समय पर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में राजभाषा विभाग ने वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि सभी कंप्यूटर उपकरणों में हिंदी में काम करने की सुविधा हो। विभाग द्वारा अन्य उपायों के अलावा हिंदी में मूल पत्राचार को बढ़ावा देने के लिए कई पुरस्कार योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

मैं सभी वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारियों एवं कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लें और स्वयं हिंदी में कार्य करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन है किंतु संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी प्रकार दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन किया जाता है।

आइए, हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम सभी उत्साहपूर्वक और गर्व के साथ अपना कार्य हिंदी में करेंगे और राजभाषा अधिनियम, नियम एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करेंगे। मुझे पूरा यकीन है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से हम अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे और देश में हिंदी के प्रयोग को अभूतपूर्व नए आयाम देंगे।

जय हिंद !

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2013

सुशीलकुमार शिंदे

हरीश रावत
ہریش راوت
Harish Rawat

जल संसाधन मंत्री
भारत सरकार
وزیر آبی وسائل
بھارت سرکار
MINISTER OF WATER RESOURCES
GOVERNMENT OF INDIA

- 3 SEP 2013

संदेश

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक मंगल कामनाएं !

आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। भारत भी इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज के समय में हिन्दी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी में घनिष्ठ संबंध विकसित होने की आवश्यकता है। इससे हमारे देश के नागरिक विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं। बेहतर सामाजिक जीवन, अभावों का निराकरण, वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान का विकास इन सभी क्षेत्रों में आम भारतीयों को सुशिक्षित करने का कार्य हिन्दी में बड़ी सुगमता से होगा। हम सभी भारतीयों को अपनी राजभाषा के विकास एवं प्रचार हेतु निरन्तर समर्पण का भाव रखना है ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सर्वप्रिय व गौरान्वित राजभाषा दे सकें।

हमारी यह मानसिकता है कि हम हिन्दी में काम करते हुए संकोच करते हैं। हिन्दी को राजभाषा के रूप में इसलिए स्वीकार किया गया है कि हिन्दी को जानने, समझने और बोलने वाले देश के कोने कोने में विद्यमान हैं। हिन्दी के प्रति समर्पण का भाव हमारा कर्तव्य है। सरकारी कामकाज में हिन्दी की अभिवृद्धि करने के लिए आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए; कार्यालयीन भाषा में कठिन शब्दों का प्रयोग करके उसे बोझिल न बनाएं।

उत्साह, उमंग एवं प्रत्याशा के साथ हम 'हिन्दी पखवाड़ा' आयोजित कर रहे हैं। इस पावन अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं अर्पित करते हुए अपने मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार अपना अधिक से अधिक काम हिन्दी में करके इस अभियान को सफल बनाएं।

आइए हम प्रतिज्ञा करें कि हम अपने कार्यालय का सारा कार्य सरल, सुबोध एवं सभी की समझ में आने वाली हिन्दी में करने का प्रयास करेंगे।

(हरीश रावत)

Room No. 210, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110 001
Tel. : (011) 23711780, 23714663, 23714200,Fax : (011)23710804
E-mail : minister-mowr@nic.in

आलोक रावत
Alok Rawat
सचिव
SECRETARY
Tel : 23710305
Fax : 23731553
E-mail : secy-mowr@nic.in

भारत सरकार
जल संसाधन मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES
SHRAM SHAKTI BHAWAN
RAFI MARG, NEW DELHI-110 001
http://www.wrmin.nic.in

दिनांक 02 सितम्बर, 2013

अपील

हिन्दी संघ की राजभाषा के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता की भाषा भी है। देश में हिन्दी की व्यापकता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। हिन्दी के समग्र विकास की जिम्मेदारी भी सरकार को सौंपी गई है। इस बात को देखते हुए, हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि हम हिन्दी की प्रगति में अपना योगदान करें और अपना सरकारी काम हिन्दी में ही करें।

सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हिन्दी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार में भाषा की सहजता एवं सरलता का है। भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम होता है। भाषा जितनी सुबोध, सहज और सरल होगी, भाव प्रकट करने में हम उतना ही सफल और सशक्त होंगे। अतः सरकारी कामकाज में प्रयुक्त हिन्दी सरल और सुबोध हो।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जल संसाधन मंत्रालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्साहवर्धक वातावरण बनाने के लिए दिनांक 09.09.2013 से दिनांक 23.09.2013 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' आयोजित किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि मंत्रालय के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी 'हिन्दी पखवाड़ा समारोह' के अन्तर्गत होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। 'हिन्दी पखवाड़ा' के अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं अर्पित करते हुए, अपने मंत्रालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे अपना अधिक से अधिक काम हिन्दी में करके हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो भी जिम्मेदारी हम पर सौंपी है, उसे निभाएं।

आलोक रावत

(आलोक रावत)